

लौकायतिक पुं. (तत्.) 1. लोकायत (एक नास्तिक विचारधारा) का अनुयायी व्यक्ति 2. नास्तिक।

लौकिक वि. (तत्.) 1. व्यावहारिक-लोक व्यवहार से संबंधित 2. लोक व्यवहार की समझवाला 3. लोक-संबंधी 4. सांसारिक, ऐहिक 5. लोक ओर धरती से (चलन से) संबंध रखने वाला, लोकप्रचलित पुं. सांसारिक आचार-व्यवहार विलो. अलौकिक या पारलौकिक।

लौकिक-विवाह पुं. (तत्.) कानून या विधि द्वारा निश्चित नियमों के अनुकूल होने वाला वह विवाह जिसमें धर्म एवं संप्रदाय आदि का विचार न रखा गया हो। civil marriage

लौकी स्त्री. (तद्.) 1. घीआ 2. कट्ठू 3. शराब बनाते समय भभकी में लगाई जाने वाली वह नली जिससे शराब चुआई जाती है।

लौक्य वि. (तत्.) 1. लौकिक, लोक विषयक, लोक संबंधी 2. सर्वत्र सामान्य एवं समान रूप से पाये जाने वाला।

लौछार स्त्री. (देश.) 1. किसी विषय एवं व्यक्ति पर किया जाने वाला हल्का-सा व्यंग्य या कटाक्ष 2. कटाक्ष या व्यंग्य का सामान्य एवं हल्का प्रयोग या रंगत 3. हास्य एवं व्यंग्य की हल्की-सी बौछार उदा. आपकी साधारण सी बातों में भी हास्य की लौछार रहती है।

लौज पुं. (अर.) 1. बादाम 2. पिसे हुए बादाम तथा लौकी आदि से बनाई हुई एक तरह की बरफी, मिठाई; लौज (अं.) 1. रहने का स्थान, वास-स्थान 2. भाड़े या धनराशि देकर ठहरने का स्थान। lodge

लौजोरा पुं. (देश.) वह कारीगर जो आग की लपट या लौ की सहायता से धातुओं के टुकड़ों या सामान को जोड़ देता है।

लौट स्त्री. (तद्.) 1. लौटने या वापसी की क्रिया या भाव 2. उलट 3. वापसी 4. घुमाव 5. दिए हुए अपने वचनसे मुकरने की क्रिया, भाव या अवस्था।

लौटना अ.क्रि. (देश.) 1. कहीं जाकर वापस उसी स्थान पर आ जाना 2. दी हुई वस्तु का वापस होना

स.क्रि. उलटना, पलटना उदा. मनोहरलाल का हर बात से लौटना भली बात नहीं मानी जा सकती।

लौट-पौट स्त्री. (तद्.+अनु.) 1. दो रुखी छपाई कपड़े पर दोनों ओर एक समान बेलबूटों युक्त या समान दिखाई देने वाले बेलबूटों की छपाई 2. उलटने पलटने का भाव या क्रिया।

लौट-फेर पुं. (तद्.) 1. उलटफेर 2. विशेष बदलाव या परिवर्तन 3. इधर का उधर हो जाना उदा. आपकी कल वाली बातों तथा आज की बातों में तो बहुत बड़ा लौट-फेर है।

लौटान स्त्री. (देश.) 1. लौटाने या वापस करने की स्थिति, अवस्था, क्रिया या भाव 2. लौटने या वापसी की अवस्था, क्रिया, भाव 3. वापसी उदा. आपसे वस्तु तो वापस आ गई पर उसकी लौटान कुछ बढ़िया नहीं रही क्योंकि वह समय पर तो मिली नहीं।

लौटाना स.क्रि. (देश.) 1. वापस करना किसी से प्राप्त वस्तु या धन को वापस करना, आये हुए व्यक्ति को वापस भेजना या लौटाना, दुकान से खरीदी गई वस्तु को लौटाना।

लौटानी स्त्री. (देश.) 1. लौटने या लौटाने की क्रिया या भाव 2. वापसी।

लौटानी में क्रि.वि. (देश.) लौटाते समय में, लौटती बार में।

लौड़ा पुं. (देश.) पुरुष की मूत्रेद्रिय, शिश्न, लिंग।

लौद स्त्री. (देश.) कपास और अरहर आदि के पौधों के वे सूखे नरम तने या डालें जो छानी छाने डलियाँ बनाने तथा अन्य कार्यों में उपयोगी होते हैं, वन की लकड़ी।

लौदरा पुं. (देश.) लौद या लौद का एक टुकड़ा, छाजन के योग्य अरहर की पतली व नरम टहनी।

लौन पुं. (तद्.) लवण, नमक, नौन उदा. लौन चुकाना, लालन पोषण करने वाले की देखभाल या सेवा द्वारा अपना दायित्व पूरा करना।

लौनहार पुं. (तद्.) खेत या फसल काटने वाला, लावनी करने वाला आदमी, लावनियाँ।